Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

बेलगाम का ऐतिहासिक अधिवेशन

➢ हालिया संदर्भ :

- कांग्रेस अपनी सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था यानि कांग्रेस कार्य समिति (CWC) का एक विस्तारित सत्र 26–27 दिसंबर को आयोजित कर रही है।
- यह इसलिए विशेष है कि इस दौरान कांग्रेस बेलगाम (कर्नाटक) में एक रैली का आयोजन भी कर रही है, जो दरअसल महात्मा गांधी द्वारा अध्यक्षता किए गए एकमात्र कांग्रेस के अधिवेशन (1924–बेलगाम) के शताब्दी समारोह को रेखांकित करने के लिए है।
- इसमें कांग्रेस के वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित अन्य कई वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल होंगे।

➢ 1924 का अधिवेशन :

- ** फरवरी 1924 में सर्जरी के बाद महात्मा गांधी जेल से रहा हुए, जिनकी गिरफ्तारी असहयोग आंदोलन स्थगित होने के बाद 1923 में हुई थी।
- *** महात्मा गांधी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हिंदू एवं मुस्लिम के बीच समन्वय एवं एकता की कमी से दुखी थे एवं वे इसे समाप्त करना चाहते थे, जिसके लिए उन्होंने उस वर्ष 18 सितंबर–8 अक्टूबर तक 21 दोनों का उपवास रखा था।

- इसके अलावा वे कांग्रेस में व्याप्त गुटबाजी को भी संबोधित करना चाह रहे थे।

➢ ऐतिहासिक महत्व :

- *** यह एकमात्र कांग्रेस अधिवेशन था, जिसकी अध्यक्षता महात्मा गांधी ने की थी।
- ** महात्मा गांधी ने दिसंबर 1924–अप्रैल 1925 तक कांग्रेस अध्यक्ष का दायित्व संभाला था।
- *** यह अधिवेशन तत्कालीन बॉम्बे राज्य में आयोजित किया गया था, जिसमें संबोधन के दौरान गांधी ने अहिंसा, सांप्रदायिक सद्भाव एवं स्वराज (स्वशासन) के प्रति अपने विचार रखे थे।

➢ गांधी का संदेश :

- असहयोग आंदोलन की चर्चा करते हुए गांधी ने कहा कि भले ही यह सफल नहीं रहा हो लेकिन स्वतंत्रता की ओर आगे बढ़ने का वह एक प्रभावी तरीका था।

  Note :– 5 फरवरी 1922 को चौरी–चौरा गोलीबारी एवं अग्निकांड के बाद 12 फरवरी 1922 को गांधी जी ने बारदोली से इस आंदोलन को स्थगित करने का निर्देश दिया।

- गांधी ने कहा कि – "1920 के कलकत्ता अधिवेशन में सरकारी उपाधियों, शैक्षणिक संस्थानों, कानूनी अदालतों, विदेशी कपड़ों एवं विधायी संस्थाओं के बहिष्कार करने का संकल्प लिया गया था, जिसमें से कोई भी बहिष्कार पूर्णतः सफल नहीं हुआ लेकिन प्रत्येक ने सरकार की प्रतिष्ठा कम करने में भूमिका निभाई।
- *** गांधी जी के अनुसार असहयोग आंदोलन के दौरान 'हिंसा का बहिष्कार' सबसे महत्वपूर्ण था।
- गांधी जी ने हिंसा की व्याख्या करते हुए कहा कि "झूठ बोलना, दुर्व्यवहार रखना, ईर्ष्यालु भाव रखना, हत्या करना या लोगों को चोट पहुंचाना सभी हिंसा के श्रेणी में आते हैं।
- *** गांधी जी ने विदेशी कपड़ों का बहिष्कार करने को अहिंसा चुनने का मार्ग बताया।
- *** गांधी जी ने कहा कि हिंसक कृत्यों की तुलना में अहिंसक कार्य ज्यादा प्रभावित होता है क्योंकि यह सद्भावना एवं नम्रता से दबाव डालता है।
- ** हिंदू–मुस्लिम वैमनस्य एवं अस्पृश्यता को गांधी ने स्वतंत्रता–प्राप्ति के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा बताया।
- ** स्वशासन पर गांधी ने अपना मत स्पष्ट करते हुए कहा कि अपील की अंतिम अदालत को लंदन से दिल्ली लाया जाना चाहिए एवं प्रांतीय सरकारों, अदालतों एवं विधायिकाओं की भाषा 'हिंदुस्तानी' होनी चाहिए।

➢ पूर्ण–सत्याग्रही :

- अधिवेशन में गांधी जी ने लोगों से 'पूर्ण सत्याग्रही' होने का आह्वान किया।
- उन्होंने कहा कि सत्याग्रह कभी विफल नहीं होता है
- उनके अनुसार सत्याग्रह मनुष्य के आत्मा का गुण है।
- *** गांधी जी ने कहा कि "स्वराज की तरह सत्याग्रह भी हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।"
- खादी बुनने एवं कताई सीखने के महत्व पर गांधी जी ने कहा कि इसके बिना स्वराज प्राप्त नहीं किया जा सकता।

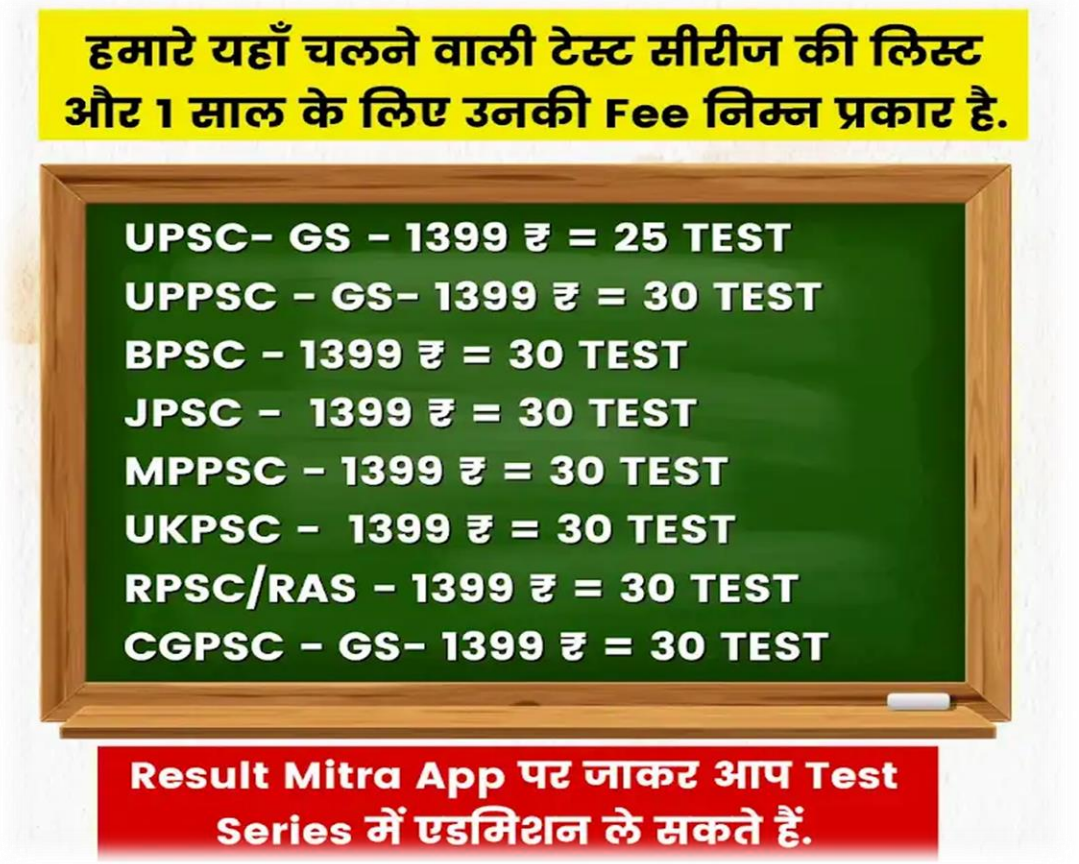

➢ शामिल व्यक्तित्व :

- इस सत्र में सरदार पटेल, जवाहरलाल नेहरू, सरोजिनी नायडू, मोहम्मद अली एवं शौकत अली के अलावा अन्य कई वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने भाग लिया था।

➢ प्रभाव :

- यह सत्र किसान–चेतना को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।
- इस सत्र के परिणामस्वरुप कर्नाटक के साथ-साथ देश के अन्य हिस्सों में खादी का प्रसार हुआ एवं खादी ग्रामोद्योग को बढ़ावा मिला।
- कांग्रेस के विभिन्न पहलों में किसानों की भागीदारी बढ़ी।

➢ *** कांग्रेस अधिवेशन से संबंधित कुछ विशिष्ट तथ्य :

- 1887 (मद्रास) में हुए तीसरे अधिवेशन की अध्यक्षता पहली बार मुस्लिम (बदरुद्दीन तैयबजी) ने की थी।
- 1888 (इलाहाबाद) के अधिवेशन की अध्यक्षता पहली बार ब्रिटिश नागरिक (George Yul) ने की।
- 1896 (कलकत्ता) के अधिवेशन में पहली बार 'वंदे मातरम' गाया गया। अधिवेशन की अध्यक्षता रहीमतुल्ला सयानी ने की थी।
- महिलाओं ने पहली बार 1899 (बंबई) के अधिवेशन में भाग लिया।
- पहली बार जिस कांग्रेस अधिवेशन में महिला (कादम्बिनी गांगुली) ने संबोधित किया, वह 1890 का कलकत्ता अधिवेशन था।
- 1906 (कलकत्ता) के अधिवेशन में पहली बार 'स्वराज' शब्द का प्रयोग हुआ था। अधिवेशन की अध्यक्षता दादा भाई नौरोजी ने की थी।
- कांग्रेस के संविधान का निर्माण 1908 के मद्रास अधिवेशन (अध्यक्ष–राजबिहारी घोष) में हुआ।
- 1911 के कलकत्ता अधिवेशन (अध्यक्ष–बिशननारायण धर) में पहली बार 'जन–गण–मन' गाया गया।
- 1912 के बांकीपुर (पटना) अधिवेशन (अध्यक्ष–आर. एन. मधोलकर) में ए. ओ. ह्यूम को 'कांग्रेस का पिता' नाम दिया गया है।
- कांग्रेस का दूसरा विभाजन 1918 के बंबई विशेष अधिवेशन (अध्यक्ष–हसन इमाम) में हुआ।
- 'पूर्ण स्वाधीनता की मांग' 1927 के मद्रास अधिवेशन (अध्यक्ष–एम.ए. अंसारी) जबकि 'पूर्ण स्वराज की मांग' 1929 के लाहौर अधिवेशन (अध्यक्ष–जवाहरलाल नेहरू) में किया गया।
- गांव में आयोजित पहला अधिवेशन फैजपुर (मध्य प्रदेश) में 1937 (अध्यक्ष–जवाहरलाल नेहरू) में संपन्न हुआ।
- आजादी के समय जे. बी. कृपलानी कांग्रेस के अध्यक्ष थे, वहीं दिसंबर 1947 में दिल्ली में संपन्न विशेष अधिवेशन की अध्यक्षता डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने की थी।

- जवाहरलाल नेहरू (1929, 1936, 1937) एवं दादाभाई नौरोजी (1886, 1893, 1906) दोनों ने कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता 3-3 बार की।
- विशेष अधिवेशन को शामिल कर लिया जाए तो डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने भी कांग्रेस की अध्यक्षता तीन बार की–

i. 1934 के बंबई अधिवेशन
ii. 1939 में सुभाष चंद्र बोस के इस्तीफा देने पर एवं
iii. 1947 के दिल्ली विशेष अधिवेशन

- अबुल कलाम आजाद, मदन मोहन मालवीय, विलियम वेडरबर्न, मोतीलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, रास बिहारी घोष, व्योमेश चंद्र बनर्जी ने कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता 2 बार की।

MCQ–1 : 1924 के ऐतिहासिक बेलगाम अधिवेशन के संबंध में कौन–सा/से कथन सत्य है/हैं ?

1. महात्मा गांधी ने एकमात्र बार इसी अधिवेशन की अध्यक्षता की थी।
2. यह अधिवेशन तत्कालीन मद्रास राज्य के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में संपन्न हुआ था।
3. इसमें गांधी जी ने 'हिंसा के बहिष्कार' को असहयोग आंदोलन की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।
4. गांधी जी ने लोगों को 'पूर्ण–सत्याग्रही' बनने के लिए प्रोत्साहित किया।

a) केवल 1, 2 एवं 3
b) केवल 1, 3 एवं 4
c) केवल 2, 3 एवं 4
d) उपरोक्त सभी कथन सत्य है।

Ans.– (b)

MCQ–2 : निम्नलिखित व्यक्तित्वों में उन्हें चुनिए, जिन्होंने कांग्रेस के अधिवेशन की अध्यक्षता न्यूनतम दो बार की –

1. दादाभाई नौरोजी
2. मोतीलाल नेहरू
3. जवाहरलाल नेहरू
4. सुभाष चंद्र बोस
5. विलियम वेडरबर्न

a) केवल 1, 2, 3 एवं 4

b) केवल 1, 2, 4 एवं 5
c) केवल 2, 3, 4 एवं 5
d) उपरोक्त सभी

Ans.– (d)